बाइसन जनसंख्या को रविाइव करने हेतु अध्ययन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **झारखंड** वन वभिाग ने **[पलामू टाइगर रज़िर्व (PTR)](#) में [बाइसन](#)** (जसिे आमतौर पर गौर के नाम से जाना जाता है) **की घटती संख्या को रविाइव (पुनर्जीवति) करने के लयि एक अध्ययन शुरू कयिा।**

मुख्य बदिु

- **झारखंड में बाइसन जनसंख्या की स्थतिः**
  - बाइसन, जो बड़ी बल्लियों के लयि एक महत्त्वपूर्ण भोजन स्रोत है, पलामू टाइगर रज़िर्व (PTR) को छोड़कर **पूरे झारखंड में वलिुप्त हो चुका है।**
  - PTR में वर्तमान **बाइसन की जनसंख्या 50 से 70 के बीच है, जो** 1970 के दशक की तुलना में काफी कम है, जब यह लगभग 150 थी।
- **गरिावट के कारण:**
  - प्रमुख कारकों में **अवैध शकिार, संक्रमण और** स्थानीय मवेशयिों के कारण आवास में गड़बड़ी शामलि हैं।
  - 1.5 लाख से अधकि पालतू मवेशी बाइसन के नविास स्थान पर अधकिार कर लेते हैं, उनके आहार का सेवन करते हैं और [मुँह और खुरपका रोग](#) जैसे संक्रामक रोगों का प्रसार करते हैं।
- **वर्तमान संरक्षण प्रयास:**
  - PTR प्राधकिरण ने **बाइसन के अस्तत्वि को प्रभावति करने वाले कारकों का आकलन करने के लयि एक अध्ययन शुरू कयिा है,** जसिमें आवास सुधार और घास प्रजातयिों की प्राथमकिताएँ शामलि हैं।
    - अध्ययन के बाद एक व्यापक पुनरुद्धार योजना बनाई जाएगी।
  - बीमारयिों के प्रसार को रोकने के लयि, आसपास के 190 गांवों के **1.5 लाख घरेलू मवेशयिों को टीका लगाने का टीकाकरण अभयिान चलाया जा रहा है।**
  - चरागाह सुधार और अवैध शकिार वरिोधी उपायों को भी मजबूत कयिा जा रहा है।
- **कोर और बफर ज़ोन प्रबंधन:**
  - PTR 1,129.93 वर्ग कलिोमीटर में वसि्तृत है, जसिमें से 414.08 वर्ग कलिोमीटर को कोर (महत्त्वपूर्ण [बाघ](#) आवास) और 715.85 वर्ग कलिोमीटर को बफर ज़ोन घोषति कयिा गया है।
  - [बेतला राष्ट्रीय उद्यान](#) PTR के 226.32 वर्ग कमिी क्षेत्र में वसि्तृत है, जसिमें से 53 वर्ग कमिी. क्षेत्र बफर ज़ोन में पर्यटकों के लयि खुला है।
  - **मुख्य पर्यावासों की सुरक्षा के लयि PTR सीमा के भीतर 34 गाँवों में से आठ को स्थानांतरति करने** के प्रयास चल रहे हैं।

बाइसन

- **परिचय:**
  - **भारतीय बाइसन या गौर (बोस गौरस) भारत में** पाई जाने वाली **जंगली मवेशियों की सबसे लंबी प्रजाति** है और **सबसे बड़ा मौजूदा गोजातीय पशु है।**
  - **विश्व में गौर की संख्या** लगभग 13,000 से 30,000 है, जिनमें से लगभग **85% जनसंख्या भारत में मौजूद है।**
    - **फरवरी 2020 में** नीलगिरी वन प्रभाग में भारतीय गौर की पहली जनसंख्या आकलन **प्रक्रिया के तहत अनुमान लगाया गया था कि प्रभाग में** लगभग 2,000 भारतीय गौर निवास करते हैं।
- **भूगोल:**
  - इसका मूल स्थान **दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया है।**
  - **भारत** में, वे **पश्चिमी घाटों में** बहुत अधिक प्रचलित हैं।
    - वे मुख्य रूप से नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, **मसिनागुडी राष्ट्रीय उद्यान और बिलिगिरिरंगना हिल्स (BR हिल्स) में पाए जाते हैं।**
  - **यह बर्मा और थाईलैंड** में भी पाया जाता है।
- **प्राकृतिक वास:**
  - वे **सदाबहार वनों और नम पर्णपाती वनों को पसंद करते हैं।**
  - वे **हिमालय में** 6,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर नहीं पाए जाते हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट में **असुरक्षित।**
  - वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की **अनुसूची I** में शामिल।

h

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/study-to-revive-bison-population